DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

15 January, 2024

स्वैच्छिक रूप से व्यापारिक खातों को फ्रीज करना

संदर्भ: *1 जुलाई, 2024 से, भारत में निवेशक, संदिग्ध गतिविधि का पता चलने पर अपने व्यापारिक खातों को फ्रीज या ब्लॉक कर सकते हैं। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 1 अप्रैल, 2024 तक इस हेतु एक रूपरेखा स्थापित करने के लिए स्टॉक ब्रोकरेज को अनिवार्य कर दिया है।*

सेबी का प्रस्ताव:

➢ **स्वैच्छिक फ्रीजिंग/ब्लॉकिंग**

- सेबी ने संदिग्ध गतिविधियों के मामले में ट्रेडिंग सदस्यों को स्वैच्छिक रूप से फ्रीज करने या ट्रेडिंग खातों तक ऑनलाइन पहुंच को अवरुद्ध करने का विकल्प देने के लिए एक रूपरेखा का प्रस्ताव दिया है।
- ये दिशा-निर्देश ब्रोकर्स इंडस्ट्री स्टैंडर्ड्स फोरम (आईएसएफ) द्वारा स्टॉक एक्सचेंजों के सहयोग से और सेबी की देखरेख में तैयार किए जाएंगे।

➢ **कार्यान्वयन के लिए समय सीमा:**

- यह दिशानिर्देश 1 अप्रैल, 2024 तक लागू हो सकती है।
- इसका कार्यान्वयन 1 जुलाई, 2024 से शुरू किया जा सकता है।

यह सुविधा क्यों?

➢ **ऑनलाइन ट्रेडिंग में बदलाव:** सेबी का यह प्रयास भारतीय स्टॉक ब्रोकिंग उद्योग में पारंपरिक कॉल और व्यापार के ऑनलाइन ट्रेडिंग में बदलाव से प्रेरित है।

➢ **निवेशकों की चिंताओं को संबोधित करना:** सेबी के अनुसार निवेशकों को अक्सर अपने ट्रेडिंग खातों में संदिग्ध गतिविधियों का सामना करना पड़ता है। अतः एटीएम या क्रेडिट कार्ड को फ्रीज/ब्लॉक करने जैसे तंत्र की आवश्यकता पर जोर दिया जाना चाहिए।

➢ **निवेशकों को धोखाधड़ी से बचाना:** इस नई सुविधा का उद्देश्य निवेशकों को उनके ट्रेडिंग खातों में संभावित धोखाधड़ी गतिविधियों से बचाना है।

दिशानिर्देश:

➢ **फ्रीजिंग/ब्लॉकिंग के लिए विस्तृत नीति:** यह दिशानिर्देश ग्राहकों के लिए स्वेच्छा से उनके ट्रेडिंग खातों को फ्रीज या ब्लॉक करने के लिए एक व्यापक नीति की रूपरेखा तैयार करेगा।

➢ **अनुरोध मोड और प्रसंस्करण समय:**

- इस दिशानिर्देश में वे सभी मोड निर्दिष्ट किए जाएंगे जिनके माध्यम से कोई ग्राहक फ्रीजिंग/ब्लॉकिंग का अनुरोध कर सकते हैं।
- इन सभी अनुरोधों को संसाधित करने और फ्रीज़िंग/ब्लॉकिंग को लागू करने के लिए समय-सीमाएं रेखांकित की जाएंगी।

➢ **ट्रेडिंग सदस्य के कार्य:**

- यह दिशानिर्देश उन सभी कार्रवाइयों का विवरण देंगे जो ट्रेडिंग सदस्यों को किसी खाते को फ्रीज़ करने का अनुरोध प्राप्त होने पर करना चाहिए।
- इसके लिए ग्राहकों को व्यापार के लिए पुनः सक्षम बनाने की प्रक्रियाओं की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

कार्यान्वयन समयरेखा:

➢ **स्टॉक एक्सचेंज की जिम्मेदारी:** स्टॉक एक्सचेंजों को यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है कि ट्रेडिंग सदस्यों द्वारा 1 जुलाई, 2024 से दिशानिर्देशों को लागू किया जाए।

➢ **रिपोर्टिंग आवश्यकता:**

- इस सिस्टम को लागू करने के लिए स्टॉक एक्सचेंजों को व्यापारिक सदस्यों के लिए रिपोर्टिंग तंत्र स्थापित करना आवश्यक है।
- इसके कार्यान्वयन संबंधी एक अनुपालन रिपोर्ट 31 अगस्त, 2024 तक सेबी को प्रस्तुत कर देनी जानी चाहिए।

ट्रेडिंग खातों को समझना:

➢ **प्रतिभूति व्यापार में भूमिका:** एक ट्रेडिंग खाता खुदरा निवेशकों के लिए शेयर बाजार में प्रतिभूतियों की खरीद और बिक्री की सुविधा प्रदान करता है।

➢ **डीमैट और बैंक खातों से संबंध:**

- यह डीमैट खाते (इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रतिभूतियों को रखने के लिए) और बैंक खाते से जुड़ा हुआ है।
- स्टॉक ब्रोकिंग फर्म के साथ, यह खाताधारक की ओर से ट्रेड निष्पादित करने के लिए स्टॉक एक्सचेंज के ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म तक पहुंच प्रदान करता है।

अब तक 30 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाये गये

संदर्भ: *आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ने अब तक 30 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाए हैं।*

➢ **आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई):**

- एबी पीएम-जेएवाई ने 12 जनवरी, 2024 को 30 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाने की महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा क्रियान्वित इस योजना का लक्ष्य 12 करोड़ लाभार्थी परिवारों को वार्षिक तौर पर 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य कवर प्रदान करना है।

➢ **आयुष्मान कार्ड निर्माण अभियान:**

- एबी पीएम-जेएवाई के तहत आयुष्मान कार्ड निर्माण इस दिशा में किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण पहल है।
- पिछले दो वित्तीय वर्षों में 16.7 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं।
- वित्त वर्ष 2023-24 में, 7.5 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए गए।

➢ **ऑन-स्पॉट सेवाएँ और पहल:**

- 15 नवंबर, 2023 को शुरू की गई विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान आयुष्मान कार्ड निर्माण को ऑन-स्पॉट सेवाओं के रूप में एकीकृत किया गया है।
- इस अभियान ने जमीनी स्तर पर कार्ड निर्माण में तेजी लाई और इसकी सहायता से 2.43 करोड़ से अधिक कार्ड बनाए जा सके।
- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए आयुष्मान भव अभियान ने 5.6 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाने में योगदान दिया।

➢ **लास्ट-माइल कनेक्टिविटी के लिए आयुष्मान ऐप:**

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) ने अंतिम छोर तक आयुष्मान कार्ड निर्माण की सुविधा के लिए 'आयुष्मान ऐप' लांच किया है।
- यह ऐप जनभागीदारी (सार्वजनिक भागीदारी) को बढ़ावा देते हुए, चार सरल चरणों में स्व-सत्यापन की अनुमति देता है।
- 13 सितंबर, 2023 को लॉन्च होने के बाद से अब तक इस ऐप को 52 लाख से अधिक बार डाउनलोड किया गया है।

➢ **राज्यवार आयुष्मान कार्ड सांख्यिकी:**

- इस मामले में उत्तर प्रदेश 4.83 करोड़ आयुष्मान कार्ड के साथ सबसे आगे है, इसके बाद मध्य प्रदेश (3.78 करोड़) और महाराष्ट्र (2.39 करोड़) का स्थान हैं।
- इस समय कुल 11 राज्यों में 1 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्डधारक हैं।

➢ **लैंगिक समानता और सशक्तिकरण:**

- लैंगिक समानता का लक्ष्य रखते हुए महिलाओं के लिए लगभग 14.6 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं।
- अब तक 49% आयुष्मान कार्ड महिला लाभार्थियों को जारी किए गए हैं, जिनमें से 48% महिलाओं को उपचार का लाभ मिल चुका है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

➢ **प्रतीक चिन्ह के रूप में आयुष्मान कार्ड:**

- आयुष्मान कार्ड समानता, अधिकार और सशक्तिकरण का प्रतीक है।
- यह गरीब और वंचित परिवारों को बीमारी के बोझ और विनाशकारी खर्च से सुरक्षा का आश्वासन देता है।

➢ **स्वास्थ्य सेवा पर प्रभाव:**

- एबी पीएम-जेएवाई ने 6.2 करोड़ अस्पताल में प्रवेश की सुविधा प्रदान की है, जिससे 79,157 करोड़ रुपये से अधिक व्यक्तिगत खर्च की बचत हुई है।
- योजना के बिना, उपचार की कुल लागत लगभग दोगुनी होती। इसने गरीब और वंचित परिवारों के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत की है।

कावेरी बेसिन में हरित आवरण में कमी

संदर्भ: *आईआईएससी की रिपोर्ट में पिछले पांच दशकों में कावेरी बेसिन में हरित आवरण में भारी कमी के उजागर होने के बाद एनजीटी ने कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल सरकारों को नोटिस जारी किया है।*

➢ **एनजीटी नोटिस और आईआईएससी रिपोर्ट:**

- एनजीटी ने आईआईएससी की रिपोर्ट के आधार पर कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल को नोटिस जारी किया है।
- इस रिपोर्ट में 1965 और 2016 के बीच कावेरी बेसिन में 12,850 वर्ग किमी के हरित आवरण के क्षरण पर प्रकाश डाला गया है।

➢ **वनों की कटाई की सीमा:**

- कावेरी बेसिन के 73.5% हिस्से को कवर करने वाली कृषि और बागवानी गतिविधियों के कारण वनों की कटाई की गई है।
- इस समय यहाँ केवल 18% भाग वन क्षेत्र के रूप में उपलब्ध हैं, और घने वन क्षेत्र का केवल 13% हिस्सा बचा है।
- पिछले 50 वर्षों में प्राकृतिक हरित क्षेत्र 28,154 वर्ग किमी से घटकर 15,345 वर्ग किमी रह गया है।

➢ **राज्यवार प्रभाव:**

- कर्नाटक में 57% (9,664 वर्ग किमी), तमिलनाडु में 29% (2,905 वर्ग किमी), और केरल में 27% (279 वर्ग किमी) हरित आवरण का क्षरण हो चुका है।
- बांदीपुर और नागरहोल जैसे प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान मानवीय हस्तक्षेप और विकास के कारण वन क्षेत्र में व्यपक कमी का सामना कर रहे हैं।

➢ **एनजीटी का वर्गीकरण और तात्कालिकता:**

- एनजीटी उपर्युक्त मुद्दे को पर्यावरण कानून के मामले के रूप में वर्गीकृत करता है।
- इस हेतु संबंधित राज्यों से त्वरित सुझाव देने का आग्रह किया गया है, और मामले की सुनवाई ट्रिब्यूनल की चेन्नई पीठ में की जाएगी।
- साथ ही साथ पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने और कावेरी घाटी में पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा की तात्कालिकता पर जोर दिया गया है।

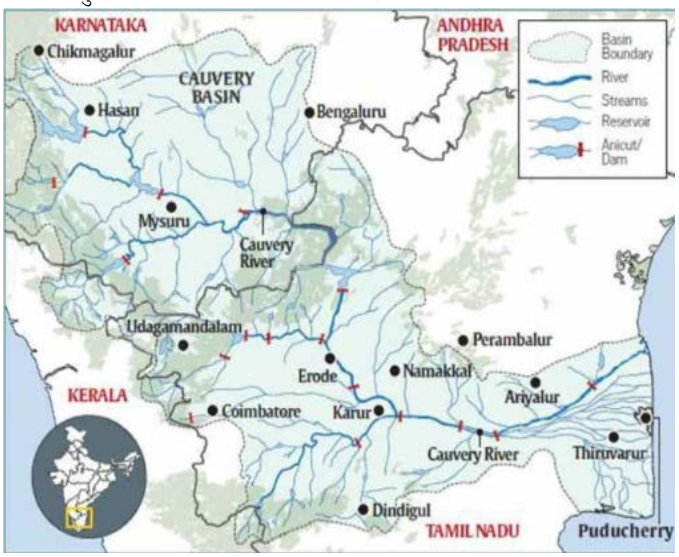

➢ **पश्चिमी घाट के वनों की कटाई का पारिस्थितिक प्रभाव:**

- **मानसून और वनों की कटाई का संबंध:**
  - आईआईटी-बी के एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 1920 के बाद से पश्चिमी घाट के हरित आवरण में 35% की कमी (33,579 वर्ग किमी) दर्ज की गई है।
  - वनों की कटाई मानसून के पैटर्न को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है, जिससे तमिलनाडु के मानसून का 25% से 40% भाग प्रभावित होता है।
  - यह आंकड़ा पूरे तमिलनाडु में दैनिक वर्षा में गिरावट और सतह के तापमान में 0.25 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि भी दर्शाता है।
- **चुनौतियाँ:**
  - वनों की कटाई से तमिलनाडु जैसे क्षेत्रों में पानी की कमी बढ़ जाती है, जिससे स्थानीय खरीफ फसलें प्रभावित होती हैं।
  - खाली भूमि के संपर्क में आने के कारण बढ़ता तापमान नमी को प्रभावित करता है, जिससे प्राकृतिक वर्षा चक्र बाधित होता है।
- **पर्यावरण संरक्षण प्रयास:**
  - ईशा फाउंडेशन की "रैली फॉर कावेरी" सहित कई परियोजनाओं का उद्देश्य बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण के माध्यम से पश्चिमी घाट की सुरक्षा करना है।
- **समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता:**
  - उपर्युक्त सन्दर्भ में विशेषज्ञ एक समग्र दृष्टिकोण का सुझाव देते हैं, जिसमें शहरी प्रदूषण नियंत्रण, उचित अपशिष्ट प्रबंधन और तटवर्ती पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करना आदि शामिल है।
  - दीर्घकालिक नदी संरक्षण के लिए जल-कुशल फसल चयन और ड्रिप सिंचाई जैसी स्थायी कृषि पद्धतियाँ अपनाना एक महत्वपूर्ण प्रयास हो सकता है।
  - अन्य बातों के अलावा कावेरी नदी बेसिन के सतत प्रबंधन के लिए वनीकरण से परे कई अन्य बहुमुखी चुनौतियों का समाधान करना आवश्यक है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

15 January, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

भोगाली बिहू

असम हर्षोल्लास भरे फसल कटाई उत्सव, भोगाली बिहू को मना रहा है, जिसे माघ बिहू और माघोर दमाही के नाम से भी जाना जाता है।

भोगाली बिहू के बारे में:

- भोगाली बिहू, जिसे माघ बिहू भी कहा जाता है, जनवरी महीने में असम में मनाया जाने वाला एक फसल कटाई उत्सव है।
- यह कृषि का त्योहार है जो फसल कटाई के मौसम के अंत का प्रतीक है।
- त्योहार की पूर्वसंध्या को उरुका कहा जाता है एक ऐसी रात जब परिवार और दोस्त अलाव के चारों ओर भोजन करने के लिए इकट्ठा होते हैं।
- उरुका शब्द देवरी-छूटिया शब्द उरुखुवा से आया है, जिसका अर्थ है "समाप्त होना"।
- भोगाली बिहू के दौरान लोग मुर्गों की लड़ाई और भैंसों की लड़ाई जैसे खेलों का आयोजन करते हैं।
- असमिया लोग विभिन्न कृषि चक्रों को चिह्नित करने के लिए साल में तीन बार बिहू मनाते हैं।
- अन्य दो बिहू त्योहार हैं रंगाली बिहू, जो अप्रैल में मनाया जाता है और कोंगाली बिहू, जो अक्टूबर में मनाया जाता है।

केन-बेतवा लिंक परियोजना

हाल ही में, मध्य प्रदेश सरकार की एक प्रमुख बांध परियोजना, जिसे केंद्र की महत्वाकांक्षी केन-बेतवा नदी लिंक परियोजना का हिस्सा माना जाता है, केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की एक विशेषज्ञ समिति द्वारा पर्यावरण स्वीकृति कानूनों का उल्लंघन करती पाई गई है।

केन-बेतवा लिंक परियोजना के बारे में:

- केन-बेतवा लिंक परियोजना (केबीएलपी) एक नदी जोड़ो परियोजना है जिसका उद्देश्य मध्य प्रदेश की केन नदी के अधिशेष जल को उत्तर प्रदेश की बेतवा नदी में स्थानांतरित करना है।
- केन नदी उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के पास यमुना नदी में मिलती है और बेतवा नदी त्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में यमुना में मिलती है।
- यह परियोजना नदियों को आपस में जोड़ने की राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के तहत पहली परियोजना है।
- इस परियोजना से कथित तौर पर 103 मेगावाट जल विद्युत और 27 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन होगा।
- इस परियोजना में दो चरण शामिल हैं, पहले चरण में दौधन बांध परिसर और उसकी सहायक इकाइयों पर ध्यान दिया जाएगा, जबकि दूसरे चरण में लोअर ऑर बांध (Lower Orr Dam), बीना कॉम्प्लेक्स परियोजना और कोठा बराज शामिल होंगे।
- इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य पानी की कमी को दूर करना और सिंचाई को बढ़ाना है।
- इससे छतरपुर, टीकमगढ़ और झांसी क्षेत्रों को लाभ होगा।

तिब्बती भूरा भालू

हाल ही में उत्तरी सिक्किम के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में एक दुर्लभ तिब्बती भूरे भालू की प्रजाति घूमते हुए पाई गई है।

तिब्बती भूरे भालू के बारे में:

- तिब्बती भूरा भालू (उर्सस आर्कटोस प्रुइनोसस), भूरे भालू की एक उप-प्रजाति है जो पूर्वी तिब्बती पठार में रहता है।
- यह दुनिया में सबसे दुर्लभ भालू उप-प्रजातियों में से एक है और जंगलों में बहुत कम देखा जाता है।
- यह दिखने, निवास स्थान और व्यवहार में अधिक सामान्य हिमालयी काले भालू से भिन्न है।
- यह 4,000 मीटर से ऊपर अल्पाइन जंगलों और घास के मैदानों में रहता है।
- वयस्क नर तिब्बती नीले भालू 1.8-2.1 मीटर (6-7 फीट) लंबे और इनके कंधे की चौड़ाई 1 मीटर (3 फीट) तक हो सकती है , जबकि मादाएं सामान्यतः छोटी होती हैं।
- यह एक सर्वाहारी है जो मर्मोट और अल्पाइन वनस्पति खाता है।
- तिब्बत में इसे डोम ग्यामुक के नाम से जाना जाता है।
- इसे अनुसूची-I के तहत सूचीबद्ध करके वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत सर्वोच्च संरक्षण का दर्जा प्रदान किया गया है।
- इसे संरक्षित प्रजाति के रूप में लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES) के परिशिष्ट I में भी सूचीबद्ध किया गया है।

माउंट मेरापी

हाल ही में इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर माउंट मेरापी में फिर से विस्फोट हुआ और ज्वालामुखी से निकली राख ने आस-पास के गांवों को अपनी चपेट में ले लिया जिससे 150 से अधिक लोगों को वहां से विस्थापित के लिए विवश होना पड़ा।

माउंट मेरापी के बारे में:

- माउंट मेरापी मध्य जावा, इंडोनेशिया में एक सक्रिय ज्वालामुखी है।
- इसे जावानीस भाषा में "आग का पहाड़" कहा जाता है।
- यह दुनिया के सबसे सक्रिय और खतरनाक ज्वालामुखियों में से एक है, जिसमें लगातार और कभी-कभी तीव्र विस्फोटों होता रहता है।
- यह इंडोनेशिया के 130 सक्रिय ज्वालामुखियों में से सबसे सक्रिय है और वर्ष 1548 से नियमित रूप से उद्गरित होता रहा है।
- इंडोनेशिया पैसिफिक रिंग ऑफ फायर के हिस्से, सबडक्शन जोन पर स्थित है और प्रया: ज्वालामुखी और भूकंपीय घटनाओं का सामना करता रहता है।

पैसिफिक रिंग ऑफ फायर:

- पैसिफिक रिंग ऑफ फायर, जिसे सर्कम-पैसिफिक बेल्ट के नाम से भी जाना जाता है, प्रशांत महासागर के चारों ओर एक घोड़े की नाल के आकार का क्षेत्र है जो अपनी ज्वालामुखी गतिविधि और भूकंप के लिए जाना जाता है।
- रिंग ऑफ फायर में मारियाना ट्रेंच भी शामिल है, जो 7 मील गहरी दुनिया की सबसे गहरी समुद्री खाई है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

सुर्खियों में स्थल

तुर्किये

हाल ही में, इराक में तुर्किये के एक सैन्य अड्डे पर हमले के बाद तुर्किये ने इराक और सीरिया में कुर्द आतंकवादियों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए, जिसमें नौ सैनिक मारे गए।

तुर्किये (राजधानी: अंकारा)

अवस्थिति : तुर्किये एक अंतरमहाद्वीपीय देश है जो दक्षिणपूर्वी यूरोप और दक्षिणपश्चिमी एशिया दोनों में स्थित है।

भौगोलिक सीमाएँ: तुर्किये की सीमा आर्मेनिया, अजरबैजान और ईरान (पूर्व), भूमध्य सागर और एजियन सागर (दक्षिण पश्चिम और पश्चिम), ग्रीस और बुल्गारिया (उत्तर पश्चिम), काला सागर (उत्तर), जॉर्जिया (उत्तर पूर्व) और इराक (दक्षिण पूर्व), सीरिया (दक्षिण) के साथ लगती है।

भौतिक विशेषताएं:

- माउंट अरारत एक सुप्त ज्वालामुखी है और पूर्वी तुर्किये का सबसे ऊँचा स्थान है।
- लेक वैन तुर्किये की सबसे बड़ी झील है।
- पामुकले, जिसका तुर्किये में अर्थ है "कपास महल", दक्षिण-पश्चिमी तुर्किये में डेनिज़ली प्रांत में एक प्राकृतिक स्थल है। यह क्षेत्र तप्त झरने के पानी के बहने से बचे कार्बोनेट खनिज के लिए प्रसिद्ध है।

सुर्खियों में व्यक्तित्व

प्रभा अत्रे

प्रभा अत्रे (13 सितंबर 1932-13 जनवरी 2024)

ये प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका और किराना घराने की अग्रणी मानी जाती हैं, इनका जन्म महाराष्ट्र के पुणे में हुआ था।

योगदान:

- उन्होंने अपूर्व कल्याण, दरबारी कौन्स, पटदीप-मल्हार, शिव काली, तिलंग-भैरव, रवि भैरव और मधुर-कौन्स जैसे नए रागों का आविष्कार किया।
- वह ख्याल के लिए उस्ताद अमीर खान (इंदौर घराना) और ठुमरी के लिए बड़े गुलाम अली खान (कसूर घराना) से प्रभावित थीं।

पुरस्कार और सम्मान:

प्रभा अत्रे ने 1990 में पद्म श्री, 2002 में पद्म भूषण और 2022 में पद्म विभूषण जीता

सुर्खियों में व्यक्तित्व

मुनव्वर राणा

मुनव्वर राणा (26 नवंबर 1952-14 जनवरी 2024)

प्रसिद्ध उर्दू शायर मुनव्वर राणा का जन्म उत्तर प्रदेश के रायबरेली में हुआ था।

योगदान:

- उनकी सबसे प्रसिद्ध कृतियों में से एक मार्मिक कविता 'माँ' थी, जिसने पारंपरिक ग़ज़ल शैली के भीतर मातृत्व के गुणों को स्पष्ट रूप से चित्रित किया था।
- उन्होंने हिंदी और अवधी शब्दों का इस्तेमाल किया और फ़ारसी और अरबी से परहेज किया, जो उनकी कविता को भारतीय दर्शकों के लिए सुलभ बनाता है और गैर-उर्दू क्षेत्रों में आयोजित काव्य सम्मेलनों में उनकी लोकप्रियता को बताता है।

पुरस्कार और सम्मान:

- 2012 में उन्हें उर्दू साहित्य में उनकी सेवाओं के लिए शहीद शोध संस्थान द्वारा माटी रतन सम्मान से सम्मानित किया गया था।
- उनके द्वारा लिखी गई कविता शाहदाबा के लिए उन्हें 2014 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

POINTS TO PONDER

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में तीर्थ स्थलों पर स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए कौन सी पहल शुरू की? - **स्वच्छ मंदिर अभियान**
- हाल ही में किस प्रिंटिंग प्रेस ने 'मोदी: एनर्जाइजिंग ए ग्रीन फ्यूचर' नामक पुस्तक प्रकाशित की है? - **पेंटागन प्रेस**
- भारत में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा उच्च शिक्षा संस्थानों में मानवीय मूल्यों और पेशेवर नैतिकता को स्थापित करने के उद्देश्य से जारी दिशानिर्देश का नाम क्या है? - **मूल्य प्रवाह 2.0**
- हाल ही में रेलवे बोर्ड के सचिव के रूप में किसे नियुक्त किया गया है? - **अरुणा नायर (आईआरपीएस)**
- हाल ही में दक्षिणी नौसेना कमान में चीफ ऑफ स्टाफ का पद किसने ग्रहण किया है? - **रियर एडमिरल उपल कुंडू**